80 करोड़ से लगेगा सीबीजी व बायो फर्टिलाइजर प्लांट

उसका के सोहांस जनुबी में चिह्नित की गई 10 हेक्टेयर भूमि, डीएम ने शासन को भेजा प्रस्ताव, स्वीकृत भूमि पर चारा बुवाई कर पैदा की जाएगी बायोगैस

संवाद न्यूज एजेंसी

सिद्धार्थनगर। जिले में उद्योग को बढ़ावा देने की योजना के तहत जल्द ही सीबीजी एंड बायो फर्टिलाइजर प्लांट के रूप में बड़ा तोहफा मिलने वाला है। एक उद्यमी ने यहां 80 करोड़ से यह प्लांट लगाने की इच्छा व्यक्त की है। डीएम डॉ. राजागणपति आर. ने उद्यमी को चारा बुवाई के लिए भूमि उपलब्ध कराने संबंधी प्रस्ताव शासन को भेजा है।

इसके लिए उसका ब्लॉक क्षेत्र के सोहांस जनूबी में 10 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। शासन की स्वीकृति के बाद यहां प्लांट स्थापित करने के लिए प्रशासन व उद्यमी के बीच एमओयू होने के साथ कार्य शुरू हो जाएगा।

शासन की तरफ से उद्यमियों को प्रोत्साहित करने की योजना के तहत जिले में उद्यम स्थापित करने के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी के तहत एक उद्यमी ने यहां सीबीजी एंड बायो फर्टिलाइजर प्लांट लगाने की इच्छा जताई।

इस पर जिला प्रशासन एवं उद्योग विभाग की तरफ से प्लांट लगाने के लिए भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके तहत उसका क्षेत्र के ग्राम सोहांस जनूबी में निचले क्षेत्र में उपलब्ध पशुचर भूमि को चिह्नित किया गया है। इसका प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया है। स्वीकृति मिलने के बाद उद्यमी और प्रशासन व उद्योग विभाग के बीच समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर होगा।

सोहांस क्षेत्र के जनुनी में चारा बुवाई प्लांट के लिए चिह्नित की गई जमीन। स्रोत विज्ञप्ति

मुंबई निवासी व्यापारी प्रतीक जायसवाल यहां सीबीजी (कंप्रेस्ड बायोगैस) और बायो फर्टिलाइजर प्लांट लगाने के इच्छुक हैं। अधिकारियों के अनुसार नए सत्र से प्लांट का निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

उपायुक्त उद्योग उदय प्रकाश पासवान ने कहा कि इस प्लांट के संचालन में पशुओं का गोबर, फसलों के अवशेष आदि का उपयोग होना है। इसके लिए प्लांट संचालक की ओर से जहां किसानों से फसल अवशेष खरीदे जाएंगे, वहीं पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जाएगा। प्लांट के लिए रॉ मटेरियल की भरपूर उपलब्धता सुनिश्चित होगी। प्लांट स्थापित होने से जिले में फसल अवशेषों के जलाने में कमी आएगी। इससे किसानों व पशुपालकों को लाभ मिलेगा, साथ ही प्लांट में विभिन्न कार्य करने के लिए दो सौ से अधिक लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

पर्यावरण अनुकूल, खेती को मिलेगा बढ़ावा : जैविक खाद का उपयोग करके किसान पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना खेती कर सकते हैं। इससे पर्यावरण को लाभ मिलेगा। जबकि प्लांट में कचरे का उपयोग करके ऊर्जा और उर्वरक का उत्पादन करेगा, जिससे कचरा प्रबंधन में भी मदद मिलेगी। वहीं देसी वस्तुओं का प्रयोग बढ़ेगा। सीबीजी स्वच्छ ईंधन है, जो वाहनों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे प्रदूषण कम होगा। सीबीजी का उपयोग करके, जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम किया जा सकता है, जिससे ग्रीन हॉउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी। किसानों को जैविक खाद आसानी से उपलब्ध होगी, जिससे उनकी लागत कम होगी और आय में वृद्धि होगी। प्लांट रोजगार के अवसर सृजित करेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।

घुमंतू पशुओं पर लगेगी लगाम, होगा किसानों को लाभ

प्लांट संचालन में गोबर की उपलब्धता के लिए घुमंतू पशु के साथ खरीदकर भी पशु पाले जाएंगे। इससे न केवल किसानों को लाभ होगा, बल्कि पर्यावरण को भी फायदा होगा। यह प्लांट कचरे का उपयोग करके ऊर्जा और उर्वरक दोनों का उत्पादन करेगा। प्लांट से उत्पादित जैविक खाद, रासायनिक उर्वरकों को एक टिकाऊ विकल्प प्रदान करेगी, जिससे किसानों की लागत कम होगी और मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। जो किसानों के मित्र किट को नष्ट होने से बचाएगा। जबकि इसको शुरू होने से कम काष्ट पर ही खाद मिलेगी। जो किसानों को खेती करने के लिए बेहतर विकल्प होगा। जैविक खेती को बढ़ावा मिलने से किसान की आय में भी वृद्धि होगी। जो किसानों को एक नए रोजगार का अवसर प्रदान करेंगे। इससे किसान खेत की फसलों को महंगी दर पर बेच सकेंगे।

बायो गैस व कम्पोजिट खाद बनाने में होगा उपयोग

प्लांट की स्थापना के लिए प्रशासन की तरफ से उद्यमी को जहां चारा बुवाई के लिए 10 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी, वहीं प्लांट निर्माण के लिए उद्यमी की ओर से लगभग तीन एकड़ भूमि खरीदी जाएगी। जिस पर इस प्लांट का निर्माण होगा। प्रशासन की तरफ से उपलब्ध कराई जा रही लैंड क्षेत्र में पशुचर भूमि पर संचालक की ओर से नेपियर घास उगाई जाएगी। जो एक बार लगाने पर चार वर्ष तक काटी जा सकती है, जिसे पशुओं को खिलाया जाएगा। साथ ही इसे सीबीजी एंड बायो फर्टिलाइजर प्लांट में बायोगैस व कंपोजिट खाद बनाने में उपयोग किया जाएगा। इसके साथ ही किसानों के खेत से निकलने वाली धान की पराली, गेहूं का डंठल, गन्ने का खोइया के साथ फसलों के अन्य अवशेषों का भी प्रयोग किया जाता है। गाय भैंस के गोबर का भी प्रयोग इसमें किया जाएगा।

एमओयू के माध्यम से जिले में सीबीजी एंड बायो फर्टिलाइजर प्लांट स्थापित करने की प्रक्रिया के तहत इच्छुक उद्यमी को चारा बुवाई के लिए भूमि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इसकी स्वीकृति के बाद कार्य कराया जाएगा, जिससे स्थानीय किसानों व लोगों को आर्थिक लाभ मिलेगा। साथ ही जैविक खेती से पर्यावरण शुद्ध होगा, फसल अवशेष जलाने व छुट्टा पशुओं से किसानों को राहत मिलेगा। -डॉ. **राजागणपति आर.**, जिलाधिकारी

गोरखपुर जोन के सभी जिलों में स्थापित होगा प्लांट

सिद्धार्थनगर। जिले में ही नहीं सीबीजी एंड बायो फर्टिलाइजर प्लांट गोरखपुर जोन के 11 जनपदों में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए उद्यमी की ओर से 1600 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें 2200 लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे इन जिलों में किसानों के खेतों से निकलने वाले फसल अवशेष को प्लांट में लाकर उससे बायोगैस व कंपोजिट उर्वरक बनाई जाएगी। जो किसानों के खेतों में जलने से होने वाले नुकसान को बचाएंगे, साथ ही किसानों को इसकी कीमत में मिलेगी।